खाचरौद के शोएब अंसारी को मिस्टर आयरन मेन का खिताब

▸ उज्जैन के कमलेश चांगल बेस्ट पोजर

उज्जैन। स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह कुशवाह स्मृति में आयोजित राज्य शरीर सौष्ठव संस्था मध्य प्रदेश के तत्वावधान में उज्जैन जिला शरीर सौष्ठव संस्था एवं आयरन जिम द्वारा 36वीं जिला स्तरीय जूनियर, सीनियर, मेन फिजिक बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन पॉलिटेक्निक कॉलेज के स्टेडियम में किया गया।

मध्य रात्रि तक चले मुकाबले में सीनियर वर्ग में खाचरोद के बॉडीबिल्डर शोएब अंसारी शरीर की मांसपेशियों के मुकाबले में अव्वल रहे एवं मिस्टर आयरन मेन के खिताब पर कब्जा जमाने में सफल रहे। चैंपियनशिप ट्रॉफी 22 हजार नगद प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं उज्जैन के बॉडीबिल्डर कमलेश चांगल बेस्ट पोजर के खिताब से नवाजे गए। उज्जैन के लोकेंद्र चुटेल मोस्ट मस्कुलर मेन एवं हैदर अली बेस्ट इंप्रूवड बॉडी के खिताब के अधिकारी बने। स्पर्धा का शुभारंभ बजरंगबली के चित्र पर पूजन अर्चन कर इंडियन बॉडीबिल्डर फेडरेशन के संयुक्त सचिव अतिन तिवारी, इंटरनेशनल रेफरी रोहित जेठवा, इंजीनियर पं. दीपक गुरु, मनोज गोस्वामी, इंजीनियर गजेंद्र मेहता, संदीप सिंह कुशवाह ने किया। हजारों खेल प्रेमियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय भावनाओं से युक्त संगीत की धुन पर थिरकते हुए शरीर साधना के पुजारी ने शानदार खेल की दावत प्रदान की। खिलाडियों ने राष्ट्रीय एकता, स्वच्छता, स्वस्थ भारत का संदेश प्रदान किया। पुरस्कार वितरण समारोह की अतिथि प्रेस क्लब के अध्यक्ष नंदलाल यादव, विशाल सिंह हाडा, अशोक यादव, उमेश पहलवान, कृष्णा यादव, घनश्याम शर्मा, मध्य प्रदेश टेंट संगठन के अध्यक्ष समीर उल हक, अमित सचदेवा, एसडीएफ के हिमांशु जोशी, जयंत गिरी, गोपाल यादव ने किया। स्पर्धा का प्रभावी संचालन शैलेंद्र व्यास ने किया। आभार प्रदर्शन पूर्व मिस्टर इंडिया सिविल सर्विसेज एवं राज्य शरीर सौष्ठव संस्था मध्य प्रदेश के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह कुशवाह ने व्यक्त किया। चैंपियनशिप के निर्णायक अमित कनौजिया, देवेंद्र सिंह कुशवाह, विकास वर्मा, रवि मालवीय, अनिल चावंड थे। मार्शल की भूमिका संतोष डागरा, फईम उस्मानी थे। तकनीकी टीम में आकाश परिहार, सुजल् बामने ने भूमिका निर्वहन की। चैंपियनशिप में विभिन्न वजन विभागों में 1 लाख 30 हजार रुपए के केश प्राइज वितरित किए गए। स्पर्धा के परिणाम निम्नानुसार रहे..55 किलोग्राम वर्ग में कुणाल गोसर (प्रथम) ,मनोज कपासिया (द्वितीय) धीरज राठौर (तृतीय)... 60 किलो.. आजम खान (प्रथम), इब्राहिम खान ,(द्वितीय) ..निखिलेश सेन (तृतीय)... 65 किलो.. हैदर अली (प्रथम),ॠतिक पाउडे,(द्वितीय) ,उनेद खान (तृतीय)...70 किलो...समीर अंसारी (प्रथम), लखन सिंह हारोड,(द्वितीय) ,मंगलेश कारपेंटर, (तृतीय)... 75 किलो... शोएब मोहम्मद (प्रथम),शाहरुख शाह(द्वितीय) अमन मंसूरी , (तृतीय)... 80 किलो... फतेह अली (प्रथम), नरेंद्र आचार्य(द्वितीय) अयान खान (तृतीय)... 85 किलो.. लोकेंद्र चुटेल (प्रथम) ,वसीम खान (द्वितीय) अविनाश चौहान (तृतीय)... जूनियर वर्ग में आजम खान ,(प्रथम), मोहम्मद आसिफ(द्वितीय) ,अफजल खान (तृतीय) .. मेन फिजिक...170 सेमी वर्ग में..रवि माली (प्रथम), समीर अंसारी(द्वितीय), राहुल उदिया (तृतीय)... 170 सेमी अबोव वर्ग मे... अयान खान (प्रथम),मोहित महाजन (द्वितीय) उबेद खान (तृतीय) पदक से नवाजे गए... विभिन्न वजन विभागों के पुरस्कार मुकेश यादव, दिनेश जाटवा, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम सारवान, शक्ति वर्मा, संतोष विश्वकर्मा ,प्रतीक सिंह तोमर, सुनील बोरासी ,महेश बाबा ने प्रदान किये।

एक नजर में

सर्वब्राह्मण समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 28 को

नागदा। अखिल भारतीय सर्वब्राम्हण समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 28 दिसम्बर रविवार 2025 को इन्दौर में होगा। समाज के पुरुषोत्तम सारस्वत ने बताया कि विगत 24 वर्षों से प्रतिवर्ष होने वाले आयोजन के लिए प्रविष्टि नि:शुल्क रखी गई हैं। जिसमें आवेदन की अंतिम तिथि 12 दिसम्बर है। सम्मेलन शुभकारज गार्डन राजीव गांधी चौक इन्दौर में होगा। कार्यक्रम में परिचय दर्पण स्मारिका का भी विमोचन किया जायेगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 10 बजे से होगी जिसमें भोजन, जलपान व आवास की व्यवस्था समिति द्वारा की गई है। पत्रिका मिलान हेतु अलग से आचार्य उपस्थित रहेंगे। जो भी विवाह योग्य युवक-युवती आवेदन देना चाहते है वे समाज के संरक्षक गुलजारीलाल त्रिवेदी, अध्यक्ष आनंद दीक्षित, पुरूषोत्तम पुरोहित, संजय उपाध्याय, राजेश शर्मा, प्रदीप दुबे, मुरलीमनोहर पाराशर, हेमंत तिवारी से संपर्क कर आवेदन दे सकते है।

108 कुंडी महायज्ञ की तैयारियों को लेकर गायत्री शक्तिपीठ की बैठक संपन्न

नागदा । गायत्री शक्तिपीठ नागदा के तत्वाधान में अखंड ज्योति विश्व गायत्री परिवार के द्वारा 1 जनवरी से 5 जनवरी तक 108 कुंडी महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है। जिसकी तैयारियो को लेकर रविवार शाम 4 :00 बजे मीटिंग रखी गई । मीटिंग में गायत्री शक्तिपीठ कार्यकर्ता ममता बैरागी द्वारा 14 दिसंबर को गायत्री शक्तिपीठ हरिद्वार से कलश यात्रा नागदा पहुंचने पर इसकी भव्य स्वागत की तैयारी को लेकर चर्चा की गई तथा इस संदर्भ में एक भव्य निर्माण को लेकर तथा विश्व गायत्री परिवार के द्वारा यज्ञ के अंतर्गत कलश यात्रा के स्वागत एवं आयोजन के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा बताई गई। मीटिंग में गायत्री शक्तिपीठ के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंबेडकर की पुण्यतिथि पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

घट्टिया। संविधान के निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) के अवसर पर शनिवार को शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई के तत्वावधान में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें श्रेष्ठ लेखन वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय प्राचार्य अनिल केन सहित अभाविप कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बस यूं ही, मराठी भाषा में भाव रंग पुस्तकों का विमोचन

उज्जैन। अनामिक सखी मराठी साहित्य संघ की साहित्यकार सुनीता केलकर की काव्य रचनाओं के संग्रह हिंदी भाषा में बस यूं ही व मराठी भाषा में भाव रंग पुस्तकों का विमोचन समारोह पूर्वक किया गया। मुख्य अतिथि कविन्द्र कियावत सेवानिवृत्त आईएएस, जयश्री कियावत सेवानिवृत्त आईएएस, विजय सिंह वर्मा सेवानिवृत्त प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, वरिष्ठ पत्रकार जय यादव, साहित्यकार राजश्री जोशी तथा हेमन्त भिड़े के द्वारा पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस अवसर पर अनामिक संस्था की सखियां, लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी सपरिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन किर्ति पटवर्धन तथा स्वप्ना बापट द्वारा किया गया।

मॉडल स्कूल महिदपुर के विद्यार्थियों ने किया बेंगलुरु का भ्रमण

महिदपुर।। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत शासकीय मॉडल उमावि महिदपुर के विद्यार्थी प्रद्युम्न यादव एवं प्रेमसिंह देवड़ा ने बेंगलुरु शहर का भ्रमण किया। जिला उज्जैन भ्रमण दल के मार्गदर्शक शिक्षक दिलीप अटोलिया ने बताया कि भ्रमण के दौरान छात्रों को आईआईएससी विश्वेशरेया तकनीकी संग्रहालय जैसे वैज्ञानिक संस्थान के साथ-साथ विधानसभा, राज भवन देखने तथा महामहिम राज्यपाल से मिलने का अवसर मिला। विद्यालय के प्राचार्य रामेश्वर सोनी एवं सभी शिक्षकों ने विद्यालय के छात्रों कि इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

ज्ञान सेतु में खगोलीय प्रमाणों से भारतीय सभ्यता की प्राचीनता को किया सिद्ध

उज्जैन। भारतीय इतिहास और ज्ञान परंपरा के एक महत्वपूर्ण आयोजन में, वाकणकर शोध संस्थान, उज्जैन एवं अवंतिका विश्वविद्यालय, लेकोड़ा के संयुक्त तत्वावधान में प्रख्यात इतिहासकार, खगोलशास्त्री एवं विचारक नीलेश ओक की द्वि-दिवसीय विशेष व्याख्यान माला ज्ञान सेतु सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बौद्धिक महाकुंभ में शोधार्थियों, शिक्षाविदों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसने भारतीय इतिहास के प्रति एक नई वैज्ञानिक जिज्ञासा उत्पन्न की।

पहले दिन रामायण में प्रगत विज्ञान के रहस्य अंतर्गत वाकणकर शोध संस्थान, उज्जैन में रामायण: महाकाव्य, धर्मग्रंथ या प्राचीन भारतीय विज्ञान का विश्वकोश? विषय पर निलेश ओक ने अपने व्याख्यान में भारतीय महाकाव्यों में निहित उन्नत विज्ञान के प्रमाण प्रस्तुत किए। उन्होंने अपने शोध से सिद्ध किया कि रामायण को केवल आस्था के दृष्टिकोण से देखना पर्याप्त नहीं है। ओक ने तार्किक कारणमीमांसा के साथ दर्शाया कि कैसे पुष्पक विमान और ब्रह्मास्त्र जैसे उन्नत शस्त्रास्त्र केवल कल्पना नहीं, बल्कि अत्यधिक विकसित तकनीकी ज्ञान के प्रतीक थे।

सुग्रीव के एटलस में वर्णित भूगोलीय और खगोलीय सटीकता, प्राचीन भारतीयों के भूगोल और खगोल विज्ञान पर अद्वितीय नियंत्रण को दर्शाती है।

उज्जैन बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में नागदा के बिल्डर ने जीता खिताब

नागदा। उज्जैन में आयोजित आयरन मेन बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में नागदा के युवा ने जीत का परचम लहराया है। शनिवार रात को उज्जैन पोलिटेकनिक कॉलेज परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में उज्जैन जिले से 100 से अधिक बॉडी बिल्डरो ने भाग लिया था। प्रतियोगिता अलग-अलग किलोग्राम वर्ग में हुई थी प्रत्येक वर्ग में 8 से 10 बिल्डर प्रतिभागी थे। नागदा फिटनेस पाईंट जिम के बॉडी बिल्डर निखलेश सेन उर्फ रोहित ने 60 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में भाग लिया था तथा सेन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता पिछले 36 वर्षों से स्व. सुरेन्द्रसिंह कुशवाह की स्मृति में उज्जैन जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित की जाती है जिसमें प्रतिवर्ष संपूर्ण जिले से 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेते है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित

महिदपुर। बिरसा अंबेडकर फुले समाज कल्याण समिति के द्वारा संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर के 70 वे महापरिनिर्वाण दिवस 6 दिसंबर को महिदपुर जिला उज्जैन के डॉ. अंबेडकर मांगलिक भवन में विभिन्न संगठनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अध्यक्षता दिनेश चैहान ने की।

विशिष्ट अतिथि में भाजपा के नगर महामंत्री भीमसिंह दावरे, यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव नागूलाल मालवीय एवं डीओएमए परिसंघ प्रदेश महासचिव जे. के. मालवीय थे। कार्यक्रम की शुरुआत बोधिसत्व, महामानव, भारत रत्न डॉक्टर बीआर अंबेडकर के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करने से हुई। उपस्थित सभी संगठनों के द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर अतिथियों का पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया। विधायक दिनेश जैन बोस ने बाबा साहब के महापरिनिर्वाण दिवस पर बाबा साहब के विचारों से सभी को अवगत करवाया साथ ही यह घोषणा की कि 11 अप्रैल को महात्मा फुले जयंती पर तीनों महापुरुषों भगवान बिरसा मुंडा, संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर एवं क्रांति ज्योति महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमाएं डॉ. बीआर अम्बेडकर मांगलिक भवन परिसर में लगेगी और भवन पर शेष आवश्यक कार्य करवाने के लिए डोमा परिसंघ के महासचिव जेके मालवीय से कहा आप अपनी रुपरेखा बना लेवें जितनी भी राशि लगेंगी में समिति को विधायक निधि के साथ अपनी व्यक्तिगत निधि 500000 अतिरिक्त दूंगा। उपस्थित सभी ने जय भीम जय फुले जय बिरसा का उदघोष कर विधायक को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से समिति उपाध्यक्ष विक्रमसिंह सोलंकी, सचिव सुरेश डामेचा, सहसचिव अनिल दावरे, कोषाध्यक्ष बी एल मालवीय, सुरेश दावरे प्रभुलाल परमार पूनमचंद पगारे, नरेंद्र परमार, डॉक्टर जगदीश परमार ,रामचंद्र जोगचंद, रामचंद्र पत्रकार आदि उपस्थित थे।

महाकाल नगरी उज्जैन में 9 दिसंबर को ऐतिहासिक हनुमान ध्वज महासम्मेलन

उज्जैन। 9 दिसंबर सुबह 10 बजे से हिन्दू संस्कृति संघ धर्मवीर बजरंग दल द्वारा उज्जैन जिले के इतिहास का सबसे विशाल सनातनी आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य कार्यक्रम में उज्जैन जिले के सभी 1551 श्री हनुमान मंदिरों से पवित्र धर्म ध्वजा आमंत्रित की जा रही है। सभी ध्वजाओं का विधि-विधान से पूजन होगा तथा विश्व विख्यात बागेश्वर धाम के सुंदरकांड मंडल द्वारा बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी के दिव्य मार्गदर्शन में भव्य सुंदरकांड पाठ संपन्न होगा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर इस आयोजन में वर्चुअल वीडियो कॉलिंग के माध्यम से उपस्थित रहेंगे।

आयोजन में जिले के सभी संत-महंत, कथावाचक, हनुमान मंदिर समितियां, सुंदरकांड-रामायण-हनुमान चालीसा मंडलियां, झंडा समितियां, गोशाला समितियां, गौसेवक दल, सभी हिन्दू संगठन एवं व्यायामशाला प्रमुख शामिल होंगे।

संस्थापक एवं अध्यक्ष राजेश आंजना धर्मवीर ने पत्रकारवार्ता के माध्यम से बताया कि इस कार्यक्रम के चार प्रमुख लक्ष्य हैं। गाँव-गाँव एवं मोहल्लों में बंद पड़ी मंगलवार ध्वज-झंडा यात्रा को पुन: शुरू कराना, जिला पंचायत की 88 गोशालाओं में समिति बनाकर कम से कम 5100 निराश्रित गौमाताओं को आश्रय दिलाना, हर गाँव-मोहल्ले में राष्ट्र शक्ति केंद्र के रूप में हनुमान चालीसा मंडली स्थापित करना तथा भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने की दिशा में गुरुकुल, व्यायामशाला एवं गौशाला युक्त हिन्दू संस्कृति केंद्रों की स्थापना।

आयोजन के संरक्षक वरिष्ठ समाजसेवी नारायण यादव हैं। अध्यक्ष आंजना ने सभी सनातनी बंधुओं से अपील की है कि अपने-अपने क्षेत्र के हनुमान मंदिर या किसी भी प्रसिद्ध मंदिर के नाम से शीघ्र समिति बनवाकर रजिस्ट्रेशन कराएं और कार्यक्रम की प्रवेशिका प्राप्त करें। प्रेसवार्ता में उपाध्यक्ष ईश्वर भाट, महामंत्री हरिचरण सिंह मेवाडा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, मंत्री संतोष सोनिया, धर्माचार्य सह प्रमुख गौरव प्यासी, महाराज मीडिया प्रभारी अभिषेक सोनिया, सज्जन सिंह पटेल, सह मीडिया प्रभारी प्रद्युमन बैरागी, पिंटू बैरागी धर्मेंद्र यादव संतोष राठौड़ (भवानी वाहिनी प्रमुख) महेश बामनिया आदि मौजूद रहे।

आशीष गलगले मध्यप्रदेश के 54 जिलों का भ्रमण करने साइकिल से निकले

▸ समाज को जागरूक करने के लिए कर रहे 5800 किलोमीटर लंबी यात्रा, उज्जैन पहुंचने पर किया स्वागत

उज्जैन। मध्यप्रदेश में समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से आशीष गलगले साइकिल यात्रा निकालकर प्रदेश के 54 जिलों का भ्रमण कर रहे हैं। यह यात्रा कुल 5800 किलोमीटर लंबी है और रेवा शक्ति अभियान के तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कुपोषण से मुक्ति, नशा मुक्त समाज, पर्यावरण संरक्षण, साइकिल चलाएं प्रदूषण भगाएं जैसे महत्वपूर्ण संदेश लेकर चल रही है।

अशोकनगर कलेक्टर आदित्य सिंह की अभिप्रेरणा से प्रारंभ हुआ यह अभियान प्रदेश में व्यापक जागरूकता फैलाने में सहायक बन रहा है। इसी क्रम में रविवार को आशीष गलगले उज्जैन शहर पहुंचे, जहां सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के अध्यक्ष उत्कर्ष सिंह सेंगर, संस्था के सचिव विवेक मेश्राम, मयंक तिवारी, अमित परमार, तुषार पिल्लैवार एवं प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय खिलाड़ियों ने उनका हृदयपूर्वक स्वागत किया। उज्जैन में स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने आशीष गलगले के प्रयासों को सराहा और उनके जागरूकता अभियान के लिए उन्हें हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं दीं। यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।इस प्रकार प्रदेश के युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को जागरूक करने के लिए यह साइकिल यात्रा एक मिसाल बन चुकी है।

एक नजर ▸ सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान अध्ययनशाला के तत्वावधान में वर्कशॉप का आयोजन

किसानों की आय बढ़ने लगे तो प्रतिवर्ष10% बढ़ सकती है भारत की आर्थिक विकास दर

उज्जैन। सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान अध्यनशाला एवं सामाजिक संस्था परिवर्तन के संयुक्त तत्वावधान में किसानो की आय में वृद्धि करने हेतु एक वर्कशॉप का आयोजन कुलगुरु प्रो.अर्पण भारद्वाज के मुख्य आतिथिय एवं सामाजिक संस्था परिवर्तन के अध्यक्ष एसएस नारंग प्रो.राजेश टेलर, प्रो.सत्येंद्र कुमार मिश्रा, प्रो. धर्मेंद्र मेहता के विशेष आतिथ्य में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने कहा कि अगर ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय में वृद्धि होने लगे तो भारत के आर्थिक विकास दर को प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत से भी अधिक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसान की आय बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा फसल बीमा योजना को लागू किया, कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण की सुलभ उपलब्धता, पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए चार प्रतिशत ब्याज पर रियायती ऋण , प्रधानमंत्री किसान योजना, लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड से जोड़ना, विभिन्न उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य उत्पादन लागत के डेढ़ गुना तक तय किया जा रहा है। जैविक खेती को बढ़ावा जिससे किसानों के लिए कृषि उत्पादों की उत्पादन लागत कम हो रही है। राष्ट्रीय कृषि मंडी की स्थापना से किसानों को बेहतर बाजार मिला है। भारत के विभिन्न कृषि उत्पादों के उत्पादन में अतुलनीय वृद्धि के चलते हुए किसानों को विभिन्न कृषि उत्पादों के निर्यात से अच्छी आय हो सकती है। केंद्र सरकार के प्रयत्नों से किसानों की आय तो बड़ी है परंतु अभी भी बहुत कुछ करना है। प्रोफेसर सत्येंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि गाय, भैंस एवं अन्य पशुपालन से अधिक आर्थिक लाभ होता है। इससे यह उनकी आय का एक अतिरिक्त स्त्रोत बन जाता है ग्रामीण इलाकों में किसी परिवार की सफलता इस बात से आपकी जाती थी कि किस परिवार में गाय ,पशुधन की संख्या कितनी है।

डायरेक्टर धर्मेंद्र मेहता ने बताया कि 200 वर्ष पूर्व तक न्यूजीलैंड में एक भी गाय नहीं थी परंतु न्यूजीलैंड में चारा भरपूर मात्रा में उपलब्ध था चुकी न्यूजीलैंड भी एक ब्रिटिश कोलोनी बन गया था। अत: न्यूजीलैंड में चारे की भरपूर उपलब्धि को देखते हुए ब्रिटेन से गाय यहां लाकर बसाई गई थी। प्रोफेसर राजेश टेलर ने बताया कि न्यूजीलैंड, डेनमार्क एवं स्विट्जरलैंड जैसे कुछ देशों ने अपनी अर्थव्यवस्था को गाय के दूध से निर्मित विभिन्न डेयरी उत्पादों का भारी मात्रा में पूरे विश्व को निर्यात कर अपनी अर्थव्यवस्थाओं को विकसित श्रेणी की अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। सेवानिवृत्ति बैंक प्रबंधक स्टेट बैंक एवं सामाजिक संस्था परिवर्तन के अध्यक्ष एस एस नारंग ने बताया कि न्यूजीलैंड की कुल आबादी केवल 52 लाख है। जबकि गाय की कुल आबादी 61 लाख से अधिक है। प्रत्येक नागरिक भारत के नागरिक से 25 गुना अधिक अमीर है। दूध से निर्मित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों में पहुंचकर न्यूजीलैंड आज विकसित देश की श्रेणी में सम्मिलित हो गया है। उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड आकार में भारत से 12 गुना छोटा है जबकि जनसंख्या की दृष्टि से 260 गुना छोटा है भारत केवल 597000 टन डेरी उत्पाद का निर्यात करता है जबकि न्यूजीलैंड 18772000 टन डेयरी उत्पाद का निर्यात करता है। एस एस नारंग ने बताया कि पूरे विश्व में 100 करोड़ से अधिक पशुधन है और भारत में 30 करोड़, ब्राजील में 23 करोड़, चीन में 10 करोड़ एवं अमेरिका में 9 करोड़ पशुधन है परंतु नई तकनीकी के अभाव में भारत में उत्पादकता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है। प्रोफेसर निवेदिता ने बताया कि है न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान केवल 7 प्रतिशत है। परंतु न्यूजीलैंड से निर्यात किए जाने वाले 10 उत्पादों में से 6 उत्पाद कृषि क्षेत्र से आते हैं कुल निर्यात का 60 प्रतिशत हिस्सा डेरी उत्पाद सहित कृषि क्षेत्र से होता है। कार्यक्रम में सोनम वर्मा, शिवम कुमार मौर्य ,उज्जवल दुबे को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। संचालन प्रो.अविनाश शर्मा ने एवं आभार प्रो.राजेश कुमार टेलर ने माना।